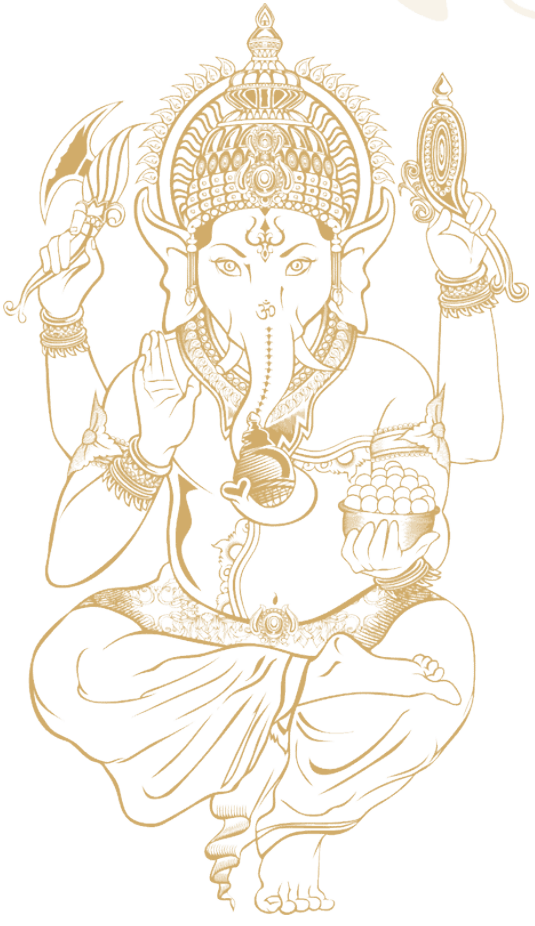

Mahesh kumawat

02 Nov 1999

06:00 AM

Pali Marwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120825702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**1-02/11/1999**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**06:00:00 घंटे**
इष्ट	58:08:50 घटी
स्थान	**Pali Marwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:46:00 उत्तर
रेखांश	73:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:23:44 घंटे
वेलान्तर	00:16:26 घंटे
साम्पातिक काल	08:07:08 घंटे
सूर्योदय	06:44:27 घंटे
सूर्यास्त	17:55:10 घंटे
दिनमान	11:10:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	15:16:57 तुला
लग्न के अंश	04:36:01 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुक्ल
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:36:01	319:10:52	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			तुला	15:16:57	01:00:03	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			सिंह	04:09:40	13:12:42	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			धनु	17:49:55	00:44:33	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	07:14:35	00:23:25	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
गुरु	व		मेष	04:50:19	00:07:51	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	28:48:23	01:00:53	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	20:13:02	00:04:49	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	14:40:51	00:01:18	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	14:40:51	00:01:18	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:03:09	00:00:30	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	07:50:15	00:00:38	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	15:19:40	00:02:05	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	05:45:47	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:02

लग्न-चलित

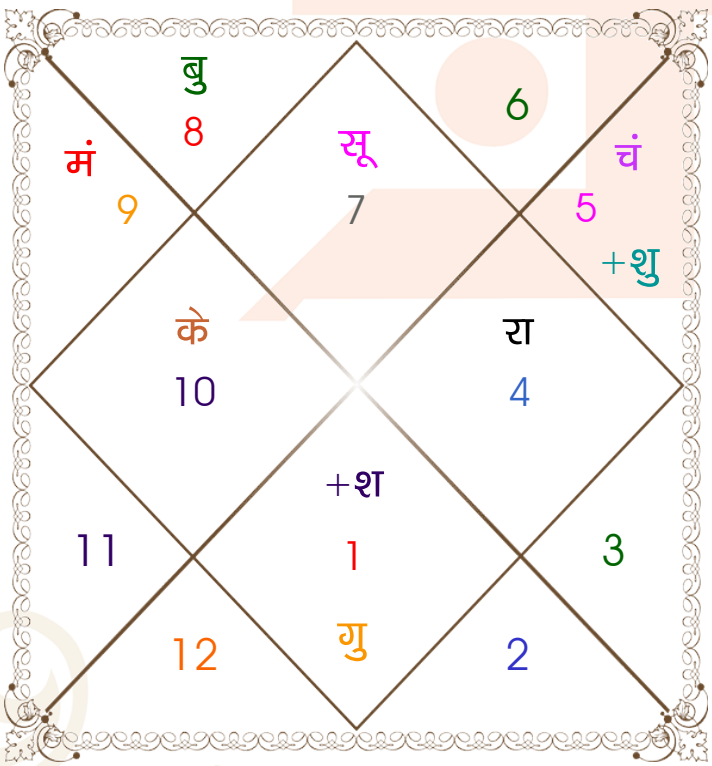

चन्द्र कुंडली

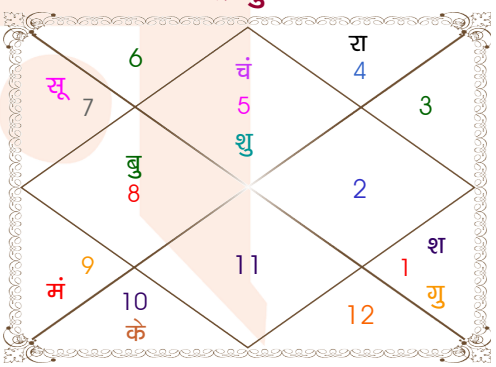

नवमांश कुंडली

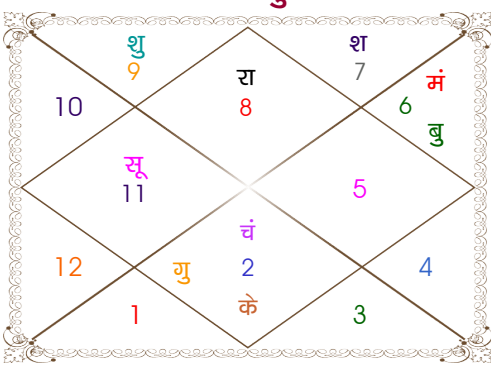

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 9 मास 23 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/11/1999		26/08/2004		26/08/2024		26/08/2030		26/08/2040	
26/08/2004		26/08/2024		26/08/2030		26/08/2040		26/08/2047	
	00/00/0000	शुक्र	26/12/2007	सूर्य	13/12/2024	चंद्र	26/06/2031	मंगल	22/01/2041
	00/00/0000	सूर्य	25/12/2008	चंद्र	14/06/2025	मंगल	25/01/2032	राहु	09/02/2042
	02/11/1999	चंद्र	26/08/2010	मंगल	20/10/2025	राहु	26/07/2033	गुरु	16/01/2043
चंद्र	28/02/2000	मंगल	26/10/2011	राहु	13/09/2026	गुरु	25/11/2034	शनि	25/02/2044
मंगल	26/07/2000	राहु	26/10/2014	गुरु	03/07/2027	शनि	26/06/2036	बुध	21/02/2045
राहु	14/08/2001	गुरु	26/06/2017	शनि	14/06/2028	बुध	25/11/2037	केतु	20/07/2045
गुरु	21/07/2002	शनि	26/08/2020	बुध	20/04/2029	केतु	26/06/2038	शुक्र	19/09/2046
शनि	29/08/2003	बुध	26/06/2023	केतु	26/08/2029	शुक्र	25/02/2040	सूर्य	25/01/2047
बुध	26/08/2004	केतु	26/08/2024	शुक्र	26/08/2030	सूर्य	26/08/2040	चंद्र	26/08/2047

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/08/2047		26/08/2065		26/08/2081		27/08/2100		27/08/2117	
26/08/2065		26/08/2081		27/08/2100		27/08/2117		00/00/0000	
राहु	08/05/2050	गुरु	14/10/2067	शनि	29/08/2084	बुध	23/01/2103	केतु	23/01/2118
गुरु	01/10/2052	शनि	26/04/2070	बुध	09/05/2087	केतु	20/01/2104	शुक्र	25/03/2119
शनि	08/08/2055	बुध	01/08/2072	केतु	17/06/2088	शुक्र	20/11/2106	सूर्य	31/07/2119
बुध	24/02/2058	केतु	08/07/2073	शुक्र	17/08/2091	सूर्य	27/09/2107	चंद्र	03/11/2119
केतु	15/03/2059	शुक्र	08/03/2076	सूर्य	29/07/2092	चंद्र	25/02/2109		00/00/0000
शुक्र	15/03/2062	सूर्य	25/12/2076	चंद्र	27/02/2094	मंगल	22/02/2110		00/00/0000
सूर्य	06/02/2063	चंद्र	26/04/2078	मंगल	08/04/2095	राहु	11/09/2112		00/00/0000
चंद्र	07/08/2064	मंगल	02/04/2079	राहु	12/02/2098	गुरु	18/12/2114		00/00/0000
मंगल	26/08/2065	राहु	26/08/2081	गुरु	27/08/2100	शनि	27/08/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 9 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।